एवरशाइन

रत्नमाला

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

भाग-1

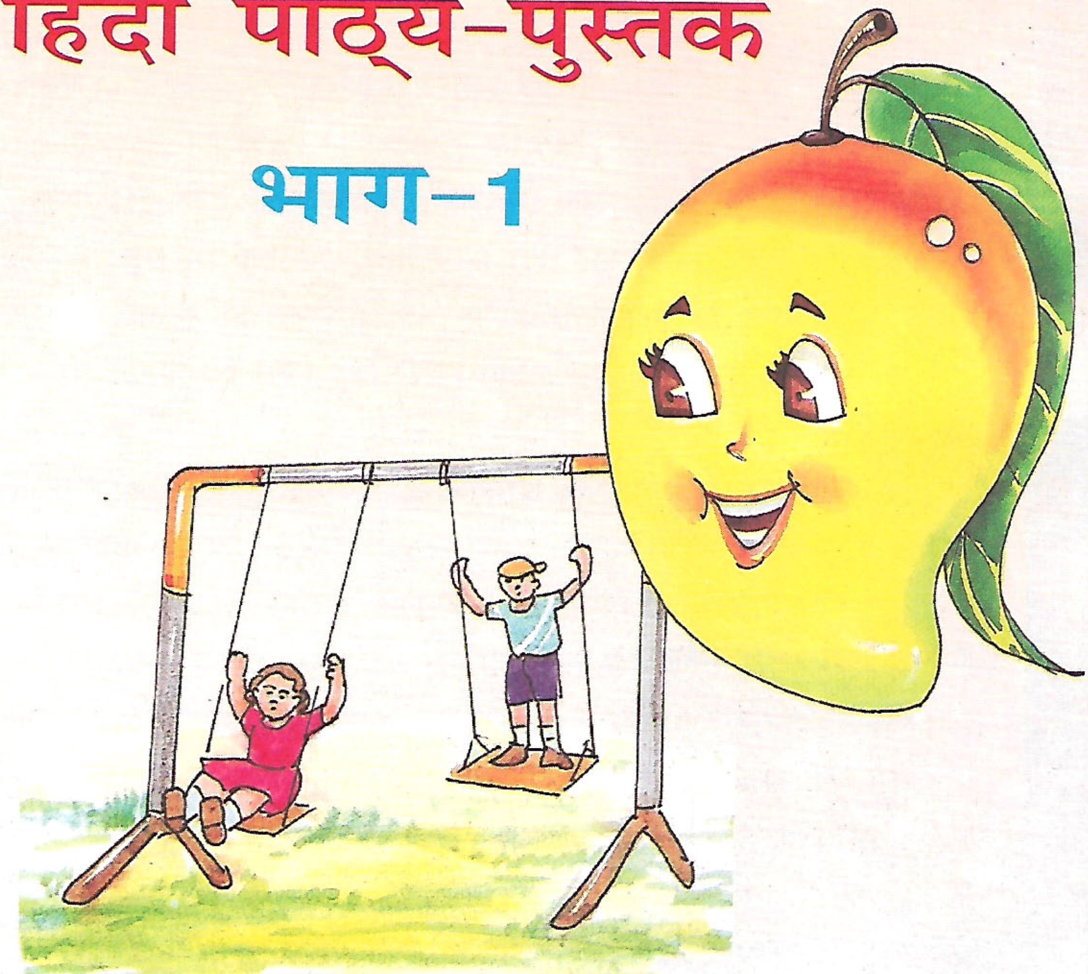

वेदप्रकाश एम.ए. (हिंदी)

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

WZ-348, नांगल राया, नई दिल्ली-46

पुस्तक का कोई भी अंश तथा चित्र किसी भी प्रकार से उद्धृत करना सर्वथा वर्जित है।
इस पुस्तक की कुंजी, गाइड अथवा किसी भी प्रकार की महायक पुस्तक छापना वर्जित है।

प्रकाशक :
एवरशाइन पब्लिशर्ज़

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक-माला "एवरशाइन-रत्नमाला" के पाठों की रचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के आदर्श पाठ्यक्रम की सभी संस्तुतियों को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा के शिक्षण का मुख्य उद्‌देश्य बच्चों को पढ़ने, लिखने और समझने का कौशल सिखाना होता है। इस पुस्तकमाला का उद्‌देश्य भी यही है। इसकी प्राप्ति के लिए भाषा तथा विषय-वस्तु, दोनों को योजनानुसार सरल से कठिन तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर लाया गया है। यह करते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि आरंभ की कक्षाओं में विद्‌यार्थियों के मस्तिष्क पर कठिन शब्दावली तथा वाक्य-संरचनाओं का अधिक भार न पड़े। इसके अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री का चयन तथा लेखन विद्‌यार्थियों की आयु, अनुभव-सीमा एवं रुचि के अनुरूप किया गया है।

पुस्तक-माला की रचना भारत सरकार की संशोधित तथा परिवर्धित देवनागरी लिपि एवं हिंदी मानकीकरण के आधार पर की गई है। अधिकतर विषय चरित्र-निर्माण, मानव-मूल्य, सत्यता, पर्यावरण, सर्व-धर्म सभा, देश-प्रेम, स्वास्थ्य, खेल-कूद, अनुशासन तथा विज्ञान पर आधारित हैं। ये ऐसे विषय हैं जो विद्‌यार्थियों को देश का सफल नागरिक बनाने में सहायक होंगे।

पुस्तकमाला की सबसे बड़ी विशेषता है पाठ के अंत में विविध प्रकार के अभ्यास। इन अभ्यासों में परंपरागत प्रश्नों को अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। हमारा विश्वास है कि इन अभ्यासों को हल करने से निश्चय ही विद्‌यार्थियों के भाषा संबंधी ज्ञान में वृद्‌धि होगी।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक-माला विद्‌यार्थियों को स्वत: अध्ययन करने के लिए प्रेरित करेगी तथा उनके भाषा-विकास में सहायक होगी। विद्‌यार्थियों एवं शिक्षकों से प्राप्त होने वाले सुझावों का हम हार्दिक स्वागत करेंगे। यह सुझाव पुस्तक-माला के अगले संस्करण को रोचक बनाने में उपयोगी होंगे।

-प्रकाशक

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
1	वर्णमाला	5
2.	मात्राओं की आवृत्ति	6-26
3.	वंदना	27-29
4.	मेरा परिवार	30-34
5.	मेरी पाठशाला	35-38
6.	मेरी टीचर	39-40
7.	पास-पड़ोस के लोग	41-45
8.	दशहरा	46-50
	प्रश्नपत्र - 1	51
9.	पालतू-पशु गाय	52-55
10.	मैं आम हूँ	56-58
11.	तिरंगा	59-61
12.	चाचा नेहरू	62-64
13.	मूर्ख की मित्रता	65-67
14.	मेहनती चिड़िया	68-71
15.	वर्षा आई	72-74
16.	दो समझदार बकरियाँ	75-79
	प्रश्नपत्र - 2	80

1 वर्णमाला

पढ़ो और समझो-

स्वर

अ आ
इ ई
उ ऊ
ऋ
ए ऐ
ओ औ
अं अः

व्यंजन

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह
क्ष त्र ज्ञ

अन्य व्यंजन श्र ड़ ढ़

शिक्षण संकेत : प्रत्येक बच्चे से वर्णमाला के वर्णों का सही एवं स्पष्ट उच्चारण करवाएँ। उन्हे बताएँ कि स्वर वे हैं जिनकी मात्राएँ लगती हैं तथा व्यंजन वे हैं जिन पर मात्राएँ लगाई जाती हैं।

2 मात्राओं की आवृत्ति

बिना मात्रा के शब्द

पढ़ो–

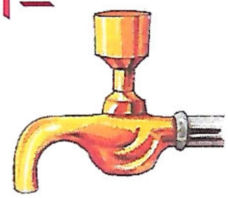

नल

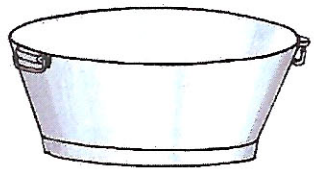

टब

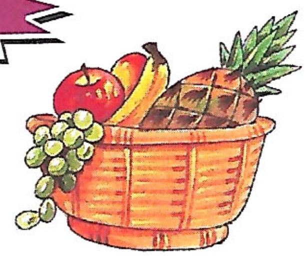

फल

भवन

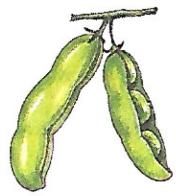

मटर

कमल

शलगम

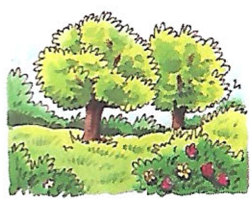

उपवन

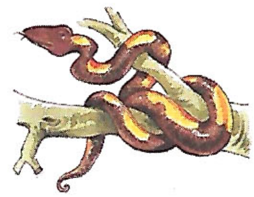

अजगर

पढ़ो और समझो–

दो वर्णों के शब्द

जल	हल	घर	तन
मन	थन	पग	जग

तीन वर्णों के शब्द

लहर	शहर	नगर	मगर
बटन	वतन	कमर	कमल

चार वर्णों के शब्द

अजगर	अदरक	सरकस	शरबत
शलगम	बरतन	थरमस	कसरत

अभ्यास

1. खाली स्थान भरकर शब्द बनाओः–

ज ______	क ______	ल ______	थ ______	म ______
घ ______	श ______	द ______	श ______	ब ______
ब ______	क ______	म ______	अ ______	क ______

2. चित्रों की प्रारंभिक ध्वनि वाले अक्षरों पर गोला लगाओः–

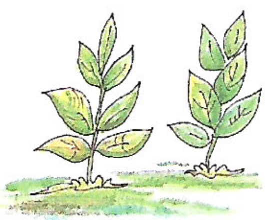

म ग प

ए स र

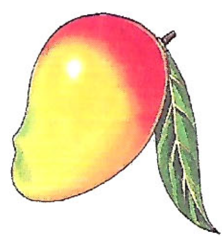

इ क आ

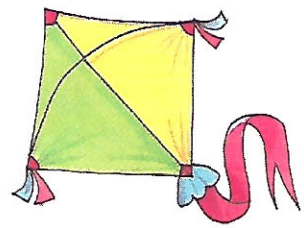

फ ल प

3. चित्रों के नीचे नाम लिखोः–

______

______

______

______

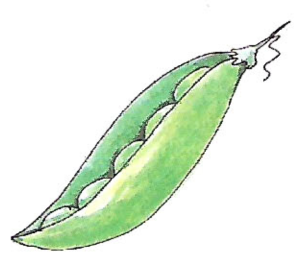

______

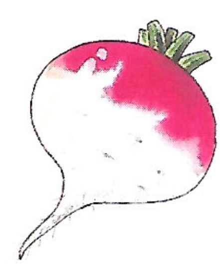

______

आ की मात्रा

पढ़ो और समझो–

न + ा + क = **नाक**

म + ा + ल + ा = **माला**

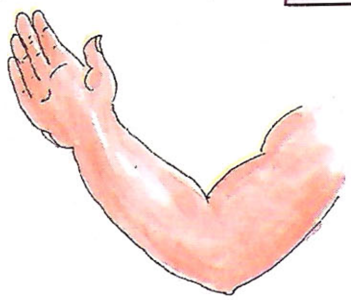

ह + ा + थ = **हाथ**

छ + ा + त + ा = **छाता**

पढ़ो–

काला	छाता	नाला	पाला
घड़ा	बाल	चाल	नाना
कागज़	पायल	बादाम	सामान
मकान	अनार	दवात	महान्

मामा आया । बाजा लाया। राजा आ। बाजा बजा।
माता का कहना मान। अब अपना पाठ याद कर।

शिक्षण संकेत : 'अ' और 'आ' का अंतर बताते हुए बच्चों को 'आ' तथा उसकी मात्रा की पहचान कराएँ।

अभ्यास

1. 'आ' की मात्रावाले शब्द चुनकर खाली स्थान में लिखो:-

रथ	छाता	बालक	नल
दाता	काला	बादल	चावल

__________ __________ __________

__________ __________ __________

2. चित्र देखकर शब्द पूरे करो:-

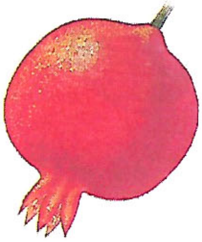

अ___र

छा___

म___न

द___त

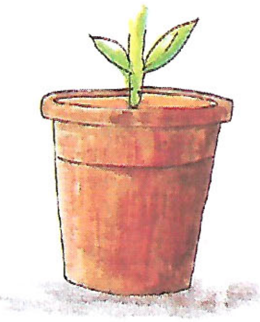

गम___

3. 'आ' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे करो:-

तबल__	छ__ त__	ख__ न__
जह__ ज़	ग__ न__	द__ द__